

समाचार वाणी

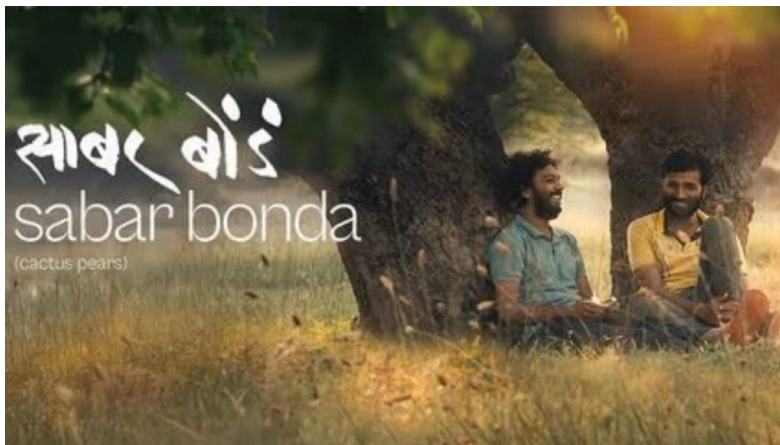
खबर जो करें असर !

नाशिक | Saturday, 26 September 2026

मराठी क्वीर लव मूवी 'सबर बोंडा': प्यार और पीड़ा की संवेदनशील कहानी, निर्देशक ने कहा- यह सिर्फ प्रेम नहीं, बल्कि शोक पर भी केन्द्रित है

Publisher

Published on 10 Sep 2025



मराठी सिनेमा ने हमेशा समाज के संवेदनशील और गंभीर विषयों को पर्दे पर उतारने की कोशिश की है। इसी कड़ी में हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'सबर बोंडा' (Sabar Bonda) ने दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी है। यह फिल्म न केवल एक क्वीर लव स्टोरी है, बल्कि इसमें प्रेम के साथ-साथ शोक और खोने की पीड़ा को भी बेहद भावुक अंदाज़ में दिखाया गया है।

फिल्म के निर्देशक ने मीडिया से बातचीत में कहा कि "हम इस फिल्म को एक संवेदनशील और गंभीर विषय के रूप में देखना चाहते थे। यह सिर्फ प्रेम की कहानी नहीं है, बल्कि शोक और खोने की पीड़ा की कहानी है। हम चाहते थे कि यह फिल्म समाज के हाशिए पर रखा जा सके।"

उनके अनुसार, यह फिल्म उन लोगों की भावनाओं को आवाज़ देती है जिन्हें अक्सर समाज के हाशिए पर रखा जाता है।

भारत में क्वीर सिनेमा अब धीरे-धीरे मुख्यधारा का हिस्सा बनने लगा है। हालांकि अभी भी LGBTQIA+ समुदाय को समाज में पूर्ण स्वीकृति नहीं मिली है, लेकिन ऐसी फिल्मों इस दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही हैं।

'सबर बोंडा' इस समुदाय की कहानी को संवेदनशील ढंग से पेश करती है और यह संदेश देती है कि प्रेम का स्वरूप किसी भी लैंगिक पहचान तक सीमित नहीं है।

फिल्म की कहानी दो प्रमुख किरदारों के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनका रिश्ता समाज की परंपराओं से परे जाकर प्रेम और आत्मीयता की गहराइयों को छूता है।

लेकिन कहानी सिर्फ उनके मिलन तक सीमित नहीं रहती—इसमें खोने, बिछड़ने और शोक का भी गहरा पक्ष है। यही पहलू फिल्म को एक साधारण प्रेम कहानी से आगे बढ़ाकर एक भावनात्मक यात्रा में बदल देता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.